Roll No. .....

Y – 248 / Y– 249

B.A. (Second Year) EXAMINATION, March/April-2021

SANSKRIT

Paper – I, II

गद्य दर्शन एवं व्याकरण/महाकाव्य एवं नाटक

Time : Three Hours

Maximum Marks : 40 + 40 = 80 (For Regular Students) *Minimum Pass Marks : 33%*

Maximum Marks : 50 + 50 = 100 (For Private Students) *Minimum Pass Marks : 33%*

नोट– **सभी** प्रश्न हल कीजिये।

खण्ड (अ)

1. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 13/16

गर्भेश्वस्वमभिनवयौवनत्वम प्रतिम रूपत्वममा नुषशक्तित्वं चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा सर्वा। अविनयानामेकैकमप्येषामायतनम् किमुत समवायः। यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजल प्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्कपत्र समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरमात्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। भवादृशा एवं भवन्ति भाजनान्युपदेशानाम्।

2. सांख्य दर्शन में सत्कार्यवाद पर प्रकाश डालिए। 13/17
3. समावर्तन संस्कार पर लेख लिखिए। 14/17

खण्ड (ब)

4. (अ) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 13/16

सर्वशास्त्रार्थ सम्पन्नं सर्व शिल्प प्रवर्तकम्।
नाट्याख्यं पञ्चमं वेदं सेतिहासं करोभ्यहम्॥

अथवा

उत्तमाधममध्यानां नराणां कर्मसंश्रयम्।
हितोपदेशजननं धृतिक्रीडासुखादिकृत्॥

(ब) भरत के अनुसार नाट्योत्पत्ति का वर्णन कीजिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 13/17
   (i) प्रवेशक
   (ii) नान्दी
   (iii) नेपथ्यम
   (iv) भरत वाक्य।
6. कालिदास तथा भवभूति के नाटकों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 14/17